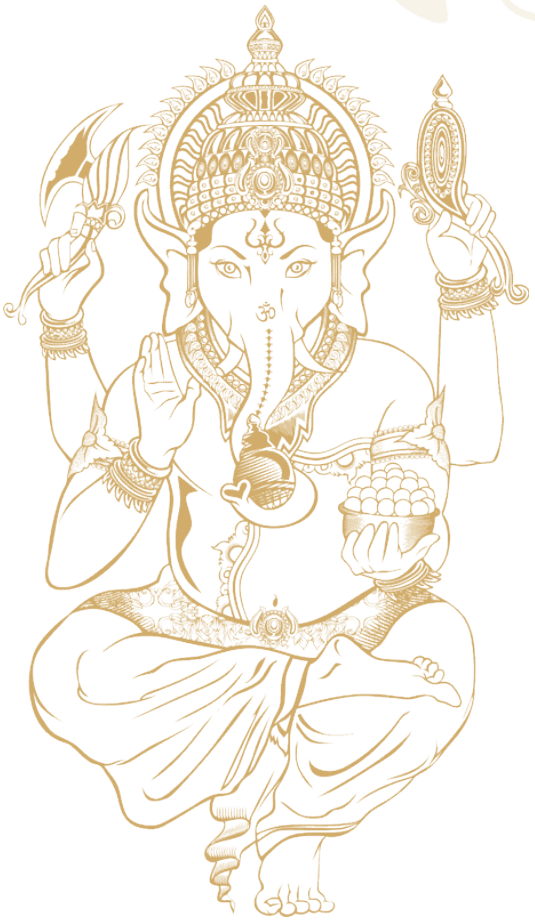

Sushila

15 Dec 1969

01:53 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119933802

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14-15/12/1969	जन्म तिथि	**15/12/2025**
रवि-सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 01:53:01	जन्म समय	10:42:09 घंटे
घटी 46:58:14	जन्म समय(घटी)	08:58:51 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:05:43	सूर्योदय	07:06:36
17:26:03	सूर्यास्त	17:26:13
23:26:18	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:15

कन्या	लग्न	मकर
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कुम्भ	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
शतभिषा	नक्षत्र	चित्रा
राहु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	4
वज्र	योग	शोभन
गर	करण	बालव
सी-सीताराम	जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
अश्व	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मृग
56	गत/तत्कालिक वर्ष	57

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
हस्त	4	20:53:54	कन्या		
ज्येष्ठा	4	29:15:10	वृश्चि		
शतभिषा	3	13:53:24	कुंभ		
धनिष्ठा	4	06:00:10	कुंभ		
पूर्वाषाढ़ा	1	14:37:52	धनु		
चित्रा	4	06:15:33	तुला		
ज्येष्ठा	1	19:26:14	वृश्चि		
अश्विनी	3	08:59:02	मेष	व	
पू०भाद्रपद	1	22:21:19	कुंभ	व	
पू०फाल्गुनी	3	22:21:19	सिंह	व	
हस्त	2	14:56:52	कन्या		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मक	24:05:59	1	धनिष्ठा
सूर्य			वृश्चि	29:15:10	4	ज्येष्ठा
चंद्र			तुला	06:26:56	4	चित्रा
मंगल		अ	धनु	05:42:18	2	मूल
बुध			वृश्चि	09:59:37	2	अनुराधा
गुरु	व		मिथु	29:07:35	3	पुनर्वसु
शुक्र		अ	वृश्चि	23:51:40	3	ज्येष्ठा
शनि			मीन	01:11:50	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	18:42:32	4	शतभिषा
केतु	व		सिंह	18:42:32	2	पू०फाल्गुनी
मु			वृष	20:53:54	4	रोहिणी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:15

लग्न-चलित

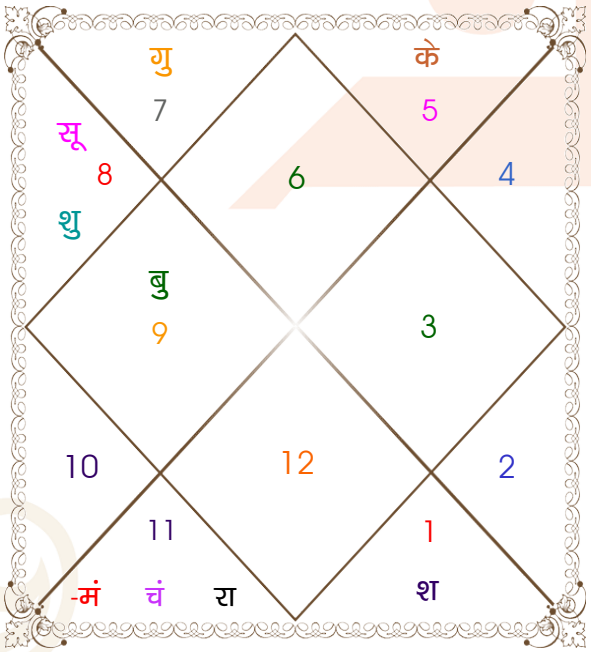

वर्ष लग्न कुंडली

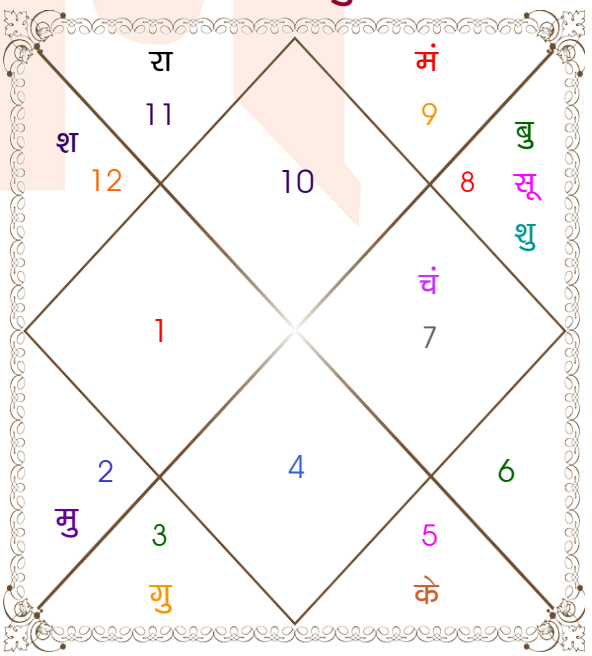

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - गुरु - शनि		बुध - गुरु - बुध		बुध - गुरु - केतु		बुध - गुरु - शुक्र	
19/07/2025 04:56		27/11/2025 06:57		24/03/2026 13:49		11/05/2026 20:52	
27/11/2025 06:57		24/03/2026 13:49		11/05/2026 20:52		26/09/2026 20:28	
शनि	08/08/2025 23:03	बुध	13/12/2025 21:44	केतु	27/03/2026 09:26	शुक्र	03/06/2026 20:48
बुध	27/08/2025 12:44	केतु	20/12/2025 17:56	शुक्र	04/04/2026 10:36	सूर्य	10/06/2026 18:23
केतु	04/09/2025 04:15	शुक्र	09/01/2026 07:04	सूर्य	06/04/2026 20:33	चंद्र	22/06/2026 06:21
शुक्र	26/09/2025 00:36	सूर्य	15/01/2026 03:49	चंद्र	10/04/2026 21:09	मंगल	30/06/2026 07:32
सूर्य	02/10/2025 13:54	चंद्र	24/01/2026 22:23	मंगल	13/04/2026 16:45	राहु	21/07/2026 00:16
चंद्र	13/10/2025 12:04	मंगल	31/01/2026 18:35	राहु	20/04/2026 22:37	गुरु	08/08/2026 09:49
मंगल	21/10/2025 03:35	राहु	18/02/2026 08:49	गुरु	27/04/2026 09:09	शनि	30/08/2026 06:09
राहु	09/11/2025 19:29	गुरु	06/03/2026 00:08	शनि	05/05/2026 00:40	बुध	18/09/2026 19:18
गुरु	27/11/2025 06:57	शनि	24/03/2026 13:49	बुध	11/05/2026 20:52	केतु	26/09/2026 20:28

बुध - गुरु - सूर्य		बुध - गुरु - चंद्र		बुध - गुरु - मंगल		बुध - गुरु - राहु	
26/09/2026 20:28		07/11/2026 05:57		15/01/2027 05:45		04/03/2027 12:49	
07/11/2026 05:57		15/01/2027 05:45		04/03/2027 12:49		06/07/2027 17:15	
सूर्य	28/09/2026 22:09	चंद्र	12/11/2026 23:56	मंगल	18/01/2027 01:22	राहु	23/03/2027 03:53
चंद्र	02/10/2026 08:56	मंगल	17/11/2026 00:32	राहु	25/01/2027 07:13	गुरु	08/04/2027 17:16
मंगल	04/10/2026 18:53	राहु	27/11/2026 08:54	गुरु	31/01/2027 17:46	शनि	28/04/2027 09:11
राहु	10/10/2026 23:55	गुरु	06/12/2026 13:40	शनि	08/02/2027 09:17	बुध	15/05/2027 23:24
गुरु	16/10/2026 12:23	शनि	17/12/2026 11:50	बुध	15/02/2027 05:29	केतु	23/05/2027 05:16
शनि	23/10/2026 01:41	बुध	27/12/2026 06:25	केतु	18/02/2027 01:06	शुक्र	12/06/2027 22:00
बुध	28/10/2026 22:25	केतु	31/12/2026 07:00	शुक्र	26/02/2027 02:16	सूर्य	19/06/2027 03:02
केतु	31/10/2026 08:22	शुक्र	11/01/2027 18:58	सूर्य	28/02/2027 12:14	चंद्र	29/06/2027 11:24
शुक्र	07/11/2026 05:57	सूर्य	15/01/2027 05:45	चंद्र	04/03/2027 12:49	मंगल	06/07/2027 17:15

बुध - शनि - शनि		बुध - शनि - बुध		बुध - शनि - केतु		बुध - शनि - शुक्र	
06/07/2027 17:15		09/12/2027 09:09		26/04/2028 15:48		23/06/2028 00:11	
09/12/2027 09:09		26/04/2028 15:48		23/06/2028 00:11		03/12/2028 20:42	
शनि	31/07/2027 08:46	बुध	29/12/2027 02:42	केतु	30/04/2028 00:05	शुक्र	20/07/2028 07:36
बुध	22/08/2027 10:01	केतु	06/01/2028 05:41	शुक्र	09/05/2028 13:29	सूर्य	28/07/2028 12:14
केतु	31/08/2027 11:57	शुक्र	29/01/2028 10:47	सूर्य	12/05/2028 10:18	चंद्र	11/08/2028 03:56
शुक्र	26/09/2027 10:36	सूर्य	05/02/2028 09:55	चंद्र	17/05/2028 05:00	मंगल	20/08/2028 17:20
सूर्य	04/10/2027 05:24	चंद्र	17/02/2028 00:29	मंगल	20/05/2028 13:18	राहु	14/09/2028 07:13
चंद्र	17/10/2027 04:43	मंगल	25/02/2028 03:28	राहु	29/05/2028 03:45	गुरु	06/10/2028 03:33
मंगल	26/10/2027 06:39	राहु	17/03/2028 00:52	गुरु	05/06/2028 19:16	शनि	01/11/2028 02:12
राहु	18/11/2027 15:02	गुरु	04/04/2028 14:33	शनि	14/06/2028 21:12	बुध	24/11/2028 07:19
गुरु	09/12/2027 09:09	शनि	26/04/2028 15:48	बुध	23/06/2028 00:11	केतु	03/12/2028 20:42

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको समय समय पर इच्छित सफलता की भी प्राप्ति होगी। इस समय मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगी तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपकी बुद्धि निर्मल तथा शुद्ध रहेगी तथा अपनी बुद्धिमता से आप अन्य जनों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने में समर्थ रहेंगी साथ ही सभी सामाजिक लोग आपसे पूर्ण प्रभावित रहेंगे एवं आपको अपना पूर्ण सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्व बुद्धिबल से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगी। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सहयोग एवं प्रसन्नता मिलेगी तथा अपने क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे ।इसके साथ ही कार्य क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी तथा प्रभाव तथा यश में भी वृद्धि होगी।

इस समय आपके हृदय में धार्मिकता के भाव की प्रबलता रहेगी तथा धर्मसंबधी कार्यो को करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी।इसके साथ ही किसी शुभ पुण्य या किसी परोपकार संबधी कार्य में भी आपकी रूचि होगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इन कार्यो को सम्पन्न करेंगी एवं यत्नपूर्वक अपना सहयोग प्रदान करेंगी। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी आपको इस समय प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे सन्तुष्ट रहेगा तथा उनसे आप वांछित सहयोग तथा लाभ समय समय पर प्राप्त करेंगी। अतः आपका समय आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।